वर्ष-17 अंक-15 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, गुरूवार 09 नवम्बर 2023

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

दैनिक

RNI No.- UPHIN/2007/27090

नगर छाया

आप की आवाज़.....

किसानों को वितरित किए गए विभिन्न किस्म के गेहूं

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना अंतर्गत कृषको को गेहूं की विभिन्न प्रजातियां वितरित की गई। इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बताया कि गेहूं को प्रोटीन, खनिज, बी-समूह के विटामिन और आहार फाइबर का एक उत्तम स्रोत माना जाता है,जो एक उत्कृष्ट स्वास्थ्य-निर्माण का कारक है। इसका उपयोग, अन्य अनाजों की तुलना में, रोटी बनाने के लिए व्यापक रूप से किया जाता है। इसके साथ-साथ गेहूँ में कई औषधीय गुण होते हैं । भारत में धान के बाद गेहुँ सबसे महत्वपूर्ण खाद्यान्न फसल है जिसका देश के खाद्यान्न उत्पादन में लगभग 35 प्रतिशत का योगदान है। गेहूँ के दाने में 12 प्रतिशत नमी, 12 प्रतिशत प्रोटीन, 2.7 प्रतिशत रेशा, 1.7 प्रतिशत वसा, 2.7 प्रतिशत खनिज पदार्थ व 70 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। शोधों द्वारा सिद्ध हो चुका है लो, बीज पुराना प्रयोग करने से उत्पादन प्रभावित होता है, जिससे कृषको की आय पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इसी समस्या के निदान हेतु कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत आज ग्राम रुदापुर, सहतावन पुरवा व औरंगाबाद इत्यादि के 100 कृषकों/ कृषक महिलाओं को चंद्र शेखर आज़ाद कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत प्रजातियाँ द्म-1006 जो कि लौह व जिंक से भरपूर है व जिसकी उत्पादकता 55-60 कुंतल/ हेक्टेयर है, का आधारीय बीज का वितरण किया गया । k-1006 प्रजाति सिंचित दशा की समय से बोने वाली प्रजाति है, जो 120-125 दिन में परिपक्वता को पा लेती है, और इसका दाना सफेद व बोल्ड होता है । कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह, डॉ शशिकांत, डॉ अरुण कुमार सिंह, डॉ राजेश राय, डॉ निमिषा अवस्थी के साथ चंद्रकांति, उषा, छोटेलाल, पवन, कोमल इत्यादि कृषक मौजूद रहे ।

महिलाओं पर विवादित बयान, नीतीश ने हाथ... 12

खेलों से विद्यार्थियों का होता है चौमुखी विकास... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 30
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12+1 (वेब संस्करण)
बृहस्पतिवार | 09 नवंबर, 2023

अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत किसानों को गेहूं की विभिन्न प्रजातियां की वितरित

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा बुधवार को अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत किसानो को गेहूं की विभिन्न प्रजातियां वितरित की गई। इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉ.निमिषा अवस्थी ने बताया कि गेहूं को प्रोटीन, खनिज, बी-समूह के विटामिन और आहार फाइबर का एक उत्तम स्रोत माना जाता है जो एक उत्कृष्ट स्वास्थ्य-निर्माण का कारक है। इसका उपयोग, अन्य अनाजों की तुलना में रोटी बनाने के लिए व्यापक रूप से किया जाता है। उन्होंने बताया कि गेहूँ के दाने में 12 प्रतिशत नमी, 12 प्रतिशत प्रोटीन, 2.7 प्रतिशत रेशा, 1.7 प्रतिशत वसा, 2.7 प्रतिशत खनिज पदार्थ व 70 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। शोधों द्वारा सिद्ध हो चुका है कि पुराना बीज प्रयोग करने से उत्पादन एवं कृषको की आय पर बुरा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बताया कि इस समस्या के समाधान के लिए कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत ग्राम रुदापुर, सहतावन पुरवा व औरंगाबाद इत्यादि के 100 कृषकों एवं कृषक महिलाओं को सीएसएयू द्वारा विकसित उन्नत प्रजातियाँ द्म-1006 जो कि लौह व जिंक से भरपूर है व जिसकी उत्पादकता 55-60 कुंतल/ हेक्टेयर है का आधारीय बीज का वितरण किया गया है। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ.अजय कुमार सिंह, डॉ. शशिकांत, डॉ.अरुण कुमार सिंह, डॉ.राजेश राय, डॉ.निमिषा अवस्थी सहित चंद्रकांति, उषा, छोटेलाल, आदि किसान मौजूद रहे ।

पेज संख्या : 01
मूल्य :02/-
Thursday
9th November
2023

सत्य का असर समाचार पत्र

कानपुर लखनऊ उत्तर प्रदेश

सुविचार -
समय का उत्तम उपयोग करना सीखें क्योंकि विश्व के ज्यादातर सफल मनुष्यों ने इसी का प्रयोग किया है।

कानपुर पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

अनुसूचित जाति उप योजना अंतर्गत कृषको को वितरित किए गए गेहूं की बिभिन्न किस्में

सत्य का असर Reporter

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल
चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा आज अनुसूचित जाति उप योजना अंतर्गत कृषको को गेहूं की विभिन्न प्रजातियां वितरित की गई। इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बताया कि गेहूं को प्रोटीन, खनिज, बी-समूह के विटामिन और आहार फाइबर का एक उत्तम स्रोत माना जाता है,जो एक उत्कृष्ट स्वास्थ्य-निर्माण का कारक है। इसका उपयोग, अन्य अनाजों की तुलना में, रोटी बनाने के लिए व्यापक रूप से किया जाता है। इसके साथ-साथ गेहूँ में कई औषधीय गुण होते हैं । भारत में धान के बाद गेहुँ सबसे महत्वपूर्ण खाद्यान्न फसल है जिसका देश के खाद्यान्न उत्पादन में लगभग 35 प्रतिशत का योगदान है। गेहूँ के दाने में 12 प्रतिशत नमी, 12 प्रतिशत प्रोटीन, 2.7 प्रतिशत रेशा, 1.7 प्रतिशत वसा, 2.7 प्रतिशत खनिज पदार्थ व 70 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। शोधों द्वारा सिद्ध हो चुका है लो, बीज पुराना प्रयोग करने से उत्पादन प्रभावित होता है, जिससे कृषको की आय पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इसी समस्या के निदान हेतु कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत आज ग्राम रुदापुर, सहतावन पुरवा व औरंगाबाद इत्यादि के 100 कृषकों/ कृषक महिलाओं को चंद्र शेखर आज़ाद कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत प्रजातियाँ k-1006 जो कि लौह व जिंक से भरपूर है व जिसकी उत्पादकता 55-60 कुंतल/ हेक्टेयर है, का आधारीय बीज का वितरण किया गया । k-1006प्रजाति सिंचित दशा की समय से बोने वाली प्रजाति है, जो 120-125 दिन में परिपक्वता को पा लेती है, और इसका दाना सफेद व बोल्ड होता है । कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह, डॉ शशिकांत, डॉ अरुण कुमार सिंह, डॉ राजेश राय, डॉ निमिषा अवस्थी के साथ चंद्रकांति, उषा, छोटेलाल, पवन, कोमल इत्यादि कृषक मौजूद रहे ।

SKS NEWS

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

अंक: 67 कानपुर, बृहस्पतिवार 09 नवंबर-2023 पृष्ठ -8

किसानों को वितरित की गई गेहूं की विभिन्न किस्में

समाज का साथी

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना अंतर्गत कृषको को गेहूं की विभिन्न प्रजातियां वितरित की गई। इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बताया कि गेहूं को प्रोटीन, खनिज, बी-समूह के विटामिन और आहार फाइबर का एक उत्तम स्रोत माना जाता है,जो एक उत्कृष्ट स्वास्थ्य-निर्माण का कारक है। इसका उपयोग, अन्य अनाजों की तुलना में, रोटी बनाने के लिए व्यापक रूप से किया जाता है। इसके साथ-साथ गेहूँ में कई औषधीय गुण होते हैं । भारत में धान के बाद गेहुँ सबसे महत्वपूर्ण खाद्यान्न फसल है जिसका देश के खाद्यान्न उत्पादन में लगभग 35 प्रतिशत का योगदान है। गेहूँ के दाने में 12 प्रतिशत नमी, 12 प्रतिशत प्रोटीन, 2.7 प्रतिशत रेशा, 1.7 प्रतिशत वसा, 2.7 प्रतिशत खनिज पदार्थ व 70 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। शोधों द्वारा सिद्ध हो चुका है लो, बीज पुराना प्रयोग करने से उत्पादन प्रभावित होता है, जिससे कृषको की आय पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इसी समस्या के निदान हेतु कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत आज ग्राम रुदापुर, सहतावन पुरवा व औरंगाबाद इत्यादि के 100 कृषकों/ कृषक महिलाओं को चंद्र शेखर आज़ाद कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत प्रजातियाँ द्म-1006 जो कि लौह व जिंक से भरपूर है व जिसकी उत्पादकता 55-60 कुंतल/ हेक्टेयर है, का आधारीय बीज का वितरण किया गया ।द्म-1006 प्रजाति सिंचित दशा की समय से बोने वाली प्रजाति है, जो 120-125 दिन में परिपक्वता को पा लेती है, और इसका दाना सफेद व बोल्ड होता है । कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह, डॉ शशिकांत, डॉ अरुण कुमार सिंह, डॉ राजेश राय, डॉ निमिषा अवस्थी के साथ चंद्रकांति, उषा, छोटेलाल, पवन, कोमल इत्यादि कृषक मौजूद रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

अंक-243 कानपुर,गुरूवार 9 नवम्बर 2023 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौहटा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

किसानों को वितरित की गई गेहूं की विभिन्न किस्में

आज का कानपुर

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना अंतर्गत कृषको को गेहूं की विभिन्न प्रजातियां वितरित की गई इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बताया कि गेहूं को प्रोटीन, खनिज, बी-समूह के विटामिन और आहार फाइबर का एक उत्तम स्रोत माना जाता है,जो एक उत्कृष्ट स्वास्थ्य निर्माण का कारक है इसका उपयोग, अन्य अनाजों की तुलना में, रोटी बनाने के लिए व्यापक रूप से किया जाता है इसके साथ-साथ गेहूं में कई औषधीय गुण होते हैं भारत में धान के बाद गेहुं सबसे महत्वपूर्ण खाद्यान्न फसल है जिसका देश के खाद्यान्न उत्पादन में लगभग 35 प्रतिशत का योगदान है गेहू के दाने में 12 प्रतिशत नमी, 12 प्रतिशत प्रोटीन, 2.7 प्रतिशत रेशा, 1.7 प्रतिशत वसा, 2.7 प्रतिशत खनिज पदार्थ व 70 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है शोधों द्वारा सिद्ध हो चुका है लो, बीज पुराना प्रयोग करने से उत्पादन प्रभावित होता है, जिससे कृषकों की आय पर बुरा प्रभाव पड़ता है इसी समस्या के निदान हेतु कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत आज ग्राम रुदापुर, सहतावन पुरवा व औरंगाबाद इत्यादि के 100 कृषकों/ कृषक महिलाओं को चंद्र शेखर आज़ाद कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत प्रजातियां द्म-1006 जो कि लौह व जिंक से भरपूर है व जिसकी उत्पादकता 55-60 कुंतल/ हेक्टेयर है का आधारीय बीज का वितरण किया गया । द्म-1006 प्रजाति सिंचित दशा की समय से बोने वाली प्रजाति है, जो 120-125 दिन में परिपक्वता को पा लेती है, और इसका दाना सफेद व बोल्ड होता है कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह, डॉ शशिकांत, डॉ अरुण कुमार सिंह, डॉ राजेश राय, डॉ निमिषा अवस्थी के साथ चंद्रकांति, उषा, छोटेलाल, पवन, कोमल इत्यादि कृषक मौजूद रहे।